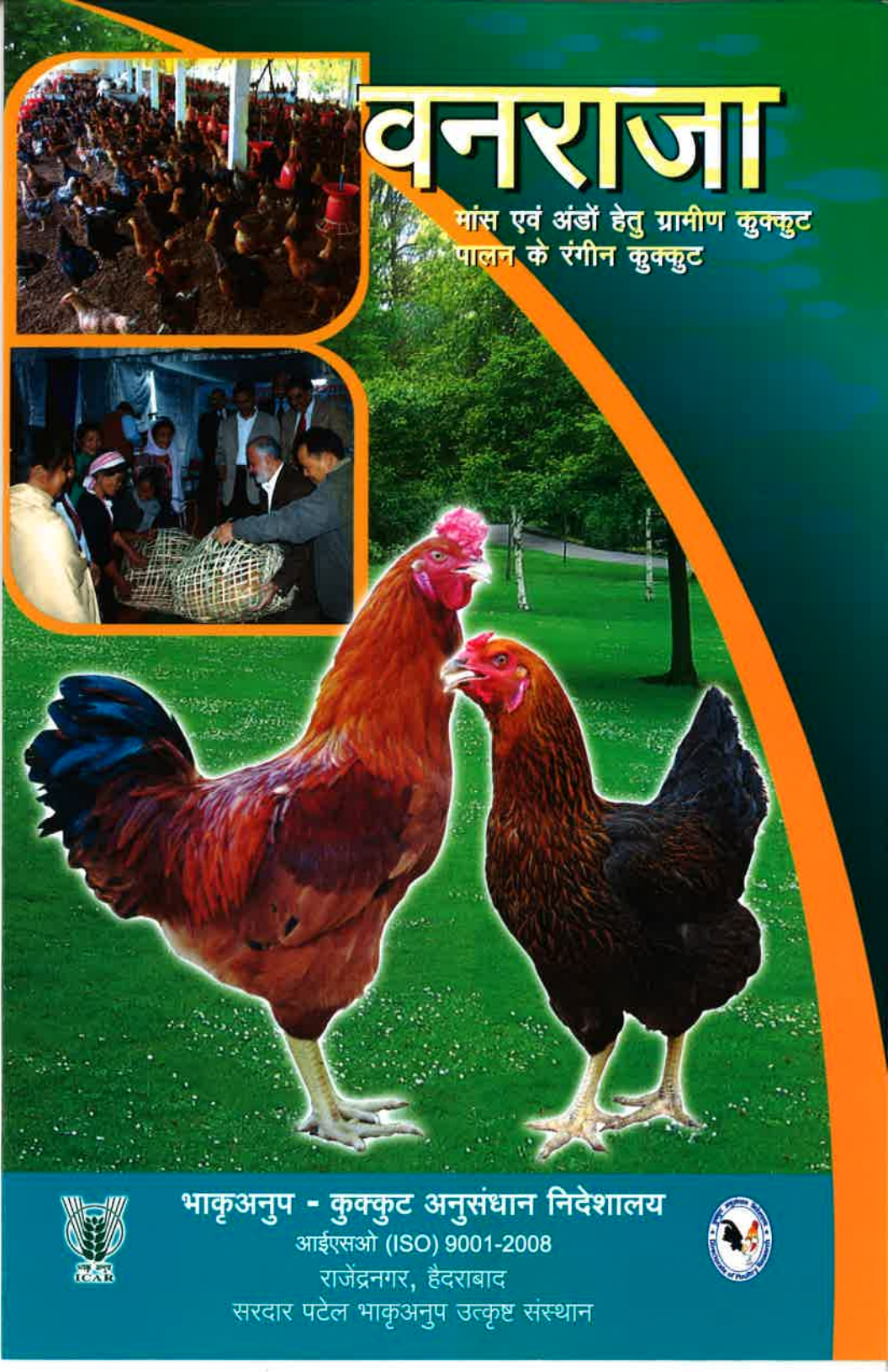
वनराजा
मांस एवं अंडों हेतु ग्रामीण कुक्कुट पालन के रंगीन कुक्कुट
भाकृअनुप - कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय
आईएसओ (ISO) 9001-2008
राजेंद्रनगर, हैदराबाद
सरदार पटेल भाकृअनुप उत्कृष्ट संस्थान

शहरी क्षेत्रों में अंडों एवं मांस का प्रति व्यक्ति खपत 100–120 अंडे और 3–5 किलोग्राम मांस है जबकि यह ग्रामीण क्षेत्रों में 5–20 अंडे और 750 ग्राम मांस है। इन कुक्कुट उत्पादों की अनुपलब्धता के कारण ग्रामीण / जनजातीय क्षेत्रों में यह काफी महंगे हैं, हमारे देश में ग्रामीण परिवार चावल या गेहूं का उपभोग प्रधान भोजन के रूप में अधिक करते हैं, जो अधिक शक्तिवर्धक होते हैं परंतु प्रोटीनों कमी होती है, यह स्थिति ग्रामीण जनता में कुपोषण की कमी की ओर लेजाता है, विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं, दुग्धपान कराने वाली माताओं और बढ़ते हुए बच्चों में यह अक्सर देखा जाता है। ग्रामीण / जनजातीय क्षेत्रों में घर–आंगन "प्राकृतिक खाद्य आधार" (गिरे हुए दाने, कीड़े, केंचुआ, रसोई का व्यर्थ, हरी घास, आदि) के समृद्ध स्रोत हैं। इन अपशिष्ट खाद्य पदार्थों को पोषण और संतुलित अंडे और कुक्कुट मांस में परिवर्तित करके मानव खाद्य श्रृंखला में वापस पुनर्नवीनीकरण किया जा सकता है। ग्रामीण घर आंगन में सुधारित कुक्कुट किस्मों का पालन करने से अंडो एवं मांस की उपलब्धता में बढ़त होगी और प्रोटीनों की कमी को दूर करते हुए अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते हैं।

कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय ने एक दोहरे उद्देश्य वाली कुक्कुट किस्म विकसित की है, जो वनराजा के नाम से प्रसिद्ध हैं, इसके पालन पद्धति के आधार पर अंडे और मांस प्राप्त किया जाता है। इस कुक्कुट के महत्वपूर्ण विशेषताएं इस प्रकार है।

- आकर्षक–बहुरंगी पंख
- उच्च प्रतिरक्षा क्षमता
- उत्पादन पर कम लागत
- पोषण के कम समतल पर अच्छा प्रदर्शन
- देसी कुक्कुट की तुलना में तेजी से बढ़ता और अधिक अंडों का उत्पादन
- देसी कुक्कुट की तरह भूरे रंग के अंडों का उत्पादन

उन क्षेत्रों में जहाँ प्राकृतिक दाना संसाधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं वहां खुले क्षेत्रों में कम संख्या में (10–20) कुक्कुटों को अंडे के उद्देश्य से पाला जा सकता है। यदि स्थानीय मांग मांस के लिए है, तो पक्षियों को बड़ी संख्या में सघनध् अर्ध सघन परिस्थितियों में संतुलित दाना देकर व्यावसायिक ब्रायलरों की तरह पाला जा सकता है। अनिवार्य रूप से वानराजा के एक दिन की आयु के चूजों को 4–6 सप्ताह तक नर्सरी प्रबंधन के तहत पाल कर तत्पश्चात उन्हें खुले मुक्त श्रेणी की स्थिति में छोड दिया जाए।

1. नर्सरी प्रबंधन

इन कुक्कुटों को हैचिंग के तुरंत बाद आवश्यक तापमान, संतुलित दाना और परभक्षियों से सुरक्षा प्रदान करते हुए ब्रूडिंग करना आवश्यक है। चूजों के आवास से पहले अच्छी गुणवत्ता वाले चावल की भूसी / परभक्षियों से सुरक्षा धूल ध् साफ रेत। चूजों के आवास से पहले, अच्छी गुणवत्ता वाले चावल की भूसी / साफ रेत को 2–3 इंच मोटाई से फर्श पर बिछा देनी चाहिए तथा इस पर पुराना अखबार फैला कर बिछाएं। शेडों में फीडर और पानी का वैकल्पिक व्यवस्था करें।

ब्रूडर

कुक्कुट गृह में 2–3 इंच की मोटाई से समान रूप में साफ कूड़ा सामग्री (मूंगफली की भूसी / धान की भूसी) फैलाएं तथा अखबार को कूड़े पर फैला कर बिछादें। यहां 2 वाट / चिक के ताप स्रोत की आवश्यकता है। चिक गार्ड की मदद से ऊष्मा के स्रोत को गर्मी स्रोत के पास प्रतिबंधित किया जा सकता है। ब्रूडर के अधिक तापमान पर पक्षी दूर चले जाते हैं, जबकि कम तापमान पर पक्षी ब्रूडर के नीचे आजाते हैं। शेड में पक्षियों को एक समान व्यवस्था में रखने से औसतन ब्रूडर तापमान प्रदान किया जा सकता है।

दाना

नर्सरी प्रबंधन के तहत कुक्कुटों का पालन करते समय कुक्कुटों को सभी पोषक तत्वों वाले संतुलित आहार – खनिज और विटामिन दिए जाने चाहिए। सभी पक्षियों को दाने तक आसानी से पहुंच सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण होता है। इन्हें प्रतिदिन दाना देना चाहिए। नर्सरी पालन में, वनराज चूजों को 2400 kcal ME, 16% प्रोटीन, 0.77 लाइसिन, 0.36% मेथियोनीन, 0.35% उपलब्ध दाना फॉस्फोरस और 0.7% कैल्शियम की आवश्यकता होती है। उपरोक्त पोषक विशिष्टताओं को पूरा करने के लिए स्थानीय रूप से उपलब्ध दाना सामग्री का उपयोग करके आहार तैयार किया जा सकता है। 6 सप्ताह की आयु तक व्यावसायिक रूप से उपलब्ध लेयर ग्रोयर दाना को ब्रायलरों को खिलाया जा सकता है। किसान टेबल– 1 में दिए गए अनुसार स्थानीय रूप से उपलब्ध दाना सामग्री से मोटे चूर्ण (पाउडर नहीं) को मिलाकर दाना बना कर दे सकते हैं।

तालिका 1. स्थानीय रूप से उपलब्ध दाना सामग्री के साथ दाने का निर्माण

मक्का / बाजरा / ज्वार / रागी / टूटे हुए चावल आदि	50 भागों
चावल का चूर्ण / गेहूं की भूसी / डी–आयल राइस ब्रान आदि	20 भागों
सोयाबीन भोजन / मूँगफली का भोजन / सूरजमुखी का भोजन / तिल पट्टी / अलसी पट्टी	28 भागों
विटामिन और खनिज मिश्रण	2 भागों

स्वास्थ्य देखभाल

वनराजा में बेहतर प्रतिरक्षा क्षमता है फिर भी उन्हें न्यूकैसल बिमारी एवं फाउल पॉक्स से सुरक्षा प्रदान करने की आवश्यकता है। टीकाकरण अनुसूची इस प्रकार है (तालिका 2)

तालिका 2. वानरजा कुक्कुट के लिए टीकाकरण कार्यक्रम

आयु	वैक्सीन का नाम	तनाव	खुराक	मार्ग
हैचरी में				
पहला दिन	मारेक्स बीमारी	HVT	0.20 मलि	SC इंजेक्शन
नर्सरी में				
5 दिन	न्यूकैसल बीमारी	लासोटा	एक बूंद	आंख
14 दिन	संक्रामक बर्सल बीमारी	जॉर्जिया	एक बूंद	मौखिक
21 दिन	चेचक	फाउल पॉक्स	0.20 मलि	आईएम / एससी इंजेक्शन
28 दिन	न्यूकैसल बीमारी	लासोटा	एक बूंद	आंख
क्षेत्रों में				
9 वें सप्ताह	न्यूकैसल बीमारी*	R2B	0.50 उस	SC इंजेक्शन
12 वें सप्ताह	चेचक*	फाउल पॉक्स	0.20 उस	SC इंजेक्शन

* इन दो टीकों को हर 6 महीने के अंतराल पर दोहराएं

2. मुक्त क्षेत्र पालन प्रबंधन

छह सप्ताह की आयु में कुक्कुट 650–750 ग्राम शरीर का वजन (तालिका 3) प्राप्त करते हैं। इन पक्षियों को पिछवाड़े मुक्त श्रेत्र की परिस्थितियों में उपलब्ध दाना स्रोतों के आधार पर @ 10–20 पक्षी / की संख्या में बाहर छोड़ा जा सकता है जबकि, रात में उन्हें निश्चित रूप से आश्रय दिया जाना है। इन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। हर दिन पहले पक्षियों को रैन बसेरा से बाहर निकाला जाता है, मुर्गों को शरीर के न्यूनतम वजन को प्राप्त करने के बाद किसी भी समय बेचा जा सकता है। वनराजा की मादा कुक्कुट प्रति वर्ष औसतन 110 अंडे देती हैं।

दाना

वनराजा कुक्कुट मुक्त क्षेत्र पालन के तहत अपना दाना आसानी से ग्रहण करना सीखते हैं। इन्हें अतिरिक्त दाना पूरकता की आवश्यकता घर आंगन में खाद्य आधार की उपलब्धता पर निर्भर करती है। आमतौर पर मुक्त क्षेत्र की स्थिति के तहत कुक्कुट अपने प्रोटीन की आवश्यकता को खुले प्रांतों में विचरण कर पूरा करलेते हैं। इसलिए, कुक्कुटों को अनाज (बाजारा, रागी, ज्वार, कोर्रा और टूटे चावल, पॉलिश किया हुआ चावल, चावल की भूसी, आदि) खिलाएं। इन अनाजों को प्रतिदिन शाम के समय (10–20 ग्राम / पक्षी) खिलाया जा सकता है। पूरक दाना की प्रकृति पालन के उद्देश्य पर निर्भर करती है। मांस प्रयोजन हेतु पक्षियों का पालन करने से इन्हें वाणिज्यिक बॉयलर / लेयर चिक फीड खिलाने का सुझाव दिया जाता है। यदि अंडा उत्पादन के उद्देश्य से पाला जाता है तो कुक्कुटों को मोटे तौर पर खुले घर–आंगन स्थितियों में उपलब्ध दाना पर निर्भर होना चाहिए। पुल्लेट (मादा) के वजन को 6.0–6.5 महीने की आयु में 2.2 से 2.5 किलोग्राम के बीच सीमित करने के लिए देखभाल की जानी चाहिए। शरीर का अतिरिक्त वजन अंडा उत्पादन को कम कर सकता है। टूटे / छिलका रहित अंडे को कैल्शियम स्रोतों (चूना पाउडर, सीप चूर्ण, पत्थर चूर्ण आदि) के पूरक द्वारा कम किया जा सकता है। @ 3–4 ग्राम / पक्षी दिन।

स्वास्थ्य देखभाल

सबसे महत्वपूर्ण बीमारी जो खुले क्षेत्रों में पालन के दौरान कुक्कुटों प्रभावित करती है वह न्यूकैसल बीमारी है। इन्हें रात का बसेरा अच्छा हवादार, आवश्यक रोशनी और परभक्षियों से सुरक्षित होनी चाहिए। रैन बसेरे के लिए उपयोग की जाने वाली सामग्री जैसे लकड़ी और बांस बाहरी परभक्षि जीवियों से छिपने के लिए एक अच्छा स्थान प्रदान करता है। इसलिए रैन बसेरे की आवधिक सफाई आवश्यक है। चूंकि चूजे खुले क्षेत्रों में विचरण करते हैं, इसलिए परजीवी संक्रमण की संभावना अधिक होती है। 2–3 महीने के अंतराल पर कीटनाशक की आवश्यकता होती है। मुक्त श्रेणी की परिस्थितियों में वयस्क वानरजा कुक्कुटों को 6 महीने के अंतराल पर न्यूकैसल बीमारी के खिलाफ टीकाकरण अवश्य कराएं, विशेषकर यह गर्मी की शुरुआत में होना चाहिए। बीमारियों से प्रभावी नियंत्रण के लिए वनराजा के साथ देशी कुक्कुटों को भी टीकाकरण की सिफारिश की जाती है।

तालिका 3 – क्षेत्र की परिस्थितियों में वनराज कुक्कुटों का प्रदर्शन

आर्थिक लक्षण	प्रदर्शन
शरीर का वजन, ग्राम	
6 सप्ताह	650–750
यौन परिपक्वता (प्रतिबंधित भोजन) पर	2,000–2,200
अंडे का वजन, ग्राम	
28 सप्ताह	48–50
40 सप्ताह	52–58
पहला अंडे देने की आयु	175–180
अंडा उत्पादन, संख्या, 1.5 साल तक	110
उत्तरजीविता,% (6 सप्ताह तक)	98

आपूर्ति

उपजाऊ अंडे

वनराज के उपजाऊ अंडे इस निदेशालय में भुगतान के आधार पर सभी कार्य दिवसों में उपलब्ध होते हैं। अंडे को ठंडे स्थान पर संग्रहित किया जाना चाहिए जब तक कि इन्हें हैचिंग हेतु निर्धारित न किया जाए। बेहतर सेननता हेतु देसी मुर्गी के तहत लगभग 10–12 अंडे रखे जा सकते हैं।

एक दिन की आयु के चुजे

राशि का अग्रिम भुगतान कर चूजे प्राप्त किया जा सकता है। भुगतान की मांग ड्राफ्ट (डीडी) के माध्यम से की जाए, जो "कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय" के पक्ष में तैयार किया जाए और इसे "निदेशक, कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय, राजेंद्रनगर, हैदराबाद –500 030" को भेजा जाना चाहिए। पत्राचार के लिए अपना संपर्क पता और टेलीफोन नंबर प्रदान करें। डीडी प्राप्त करने के बाद निदेशालय आपूर्ति की तारीख को सूचित करेगा। ग्राहकों को निदेशालय से पक्षियों को प्राप्त करना आवश्यक है।

कई राज्यों में स्थित हमारे कुक्कुट बीज परियोजना केंद्रों से वनराजा चूजों और उपजाऊ अंडे भी प्राप्त किए जा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारे वेबसाइट www.pdonpoultry.org पर देखें।

भाकृअनुप - कुक्कुट अनुसंधान निदेशालय

आईएसओ (ISO) 9001-2008

राजेंद्रनगर, हैदराबाद – 500 030, भारत

दूरभाष: +91 (40) 24017000/240 15651/24018687

फ़ैक्स : +91 (40) 24017002

ईमेल : pdpoult@.nic.in

वेबसाईट: www.pdonpoultry.org